पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता एवं शुद्धता सुनिश्चित करें : सिंह

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक ने की पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 23 मई, राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों तथा पंचायतराज संस्थाओं के आगामी निर्वाचन के लिए जिले में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य का संचालन किया जा रहा है.

पुनरीक्षण कार्य की मॉनीटरिंग एवं पर्यवेक्षण के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक एवं सेवानिवृत्त आईएएस ए.के. सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की. बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार जैन सहित जिले के समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे. बैठक में प्रेक्षक श्री सिंह ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को निर्वाचन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जोड़े जाएं तथा अपात्र, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम नियमानुसार पृथक किए जाएं. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें. विशेष रूप से नवमतदाताओं, महिलाओं एवं वंचित वर्गों के नाम सूची में शामिल कराने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलायें. उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी सभी कार्यों में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो. बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार जैन ने जिले में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी नगरीय निकायों एवं पंचायत क्षेत्रों में बूथ स्तर अधिकारियों के माध्यम से घर-घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं का सत्यापन एवं नवीन नाम जोड़ने की प्रक्रिया संचालित की जा रही है. उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी. बैठक में अपर कलेक्टर पीके पांडेय, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी, एसडीम हनुमना राजेश मेहता उपस्थित रहे.

गुढ़ नेशनल हाइवे में खड़े ट्रकों का चोरों ने पार किया तेल

नवभारत न्यूज

गुढ़, 23 मई, नेशनल हाईवे 39 स्थित गौतम ढाबा के पास बीती रात चोरों ने खड़े दो बड़े वाहनों को निशाना बनाते हुए उनका डीजल चोरी कर लिया. घटना के बाद वाहन चालकों में भय और नाराजगी का माहौल है.

पीड़ित ड्राइवरों का कहना है कि रात के अंधेरे में बेखौफ चोर लगातार ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन इस पर रोक नहीं लग पा रही है. जानकारी के अनुसार, एक ड्राइवर ने बताया कि वह रात करीब 10 बजे गुजरात से गुढ़ पहुंचा था. वाहन को गौतम ढाबा के पास खड़ा कर खाना खाने के बाद वह सो गया. सुबह करीब 5 बजे जब उसकी नींद खुली तो देखा कि वाहन का डीजल टैंक खाली पड़ा है. चालक के अनुसार, चोरों ने पूरी तरह से तेल निकाल लिया, जिससे अब उसे अपने मालिक का सामना करने में डर लग रहा है. ड्राइवर ने बताया कि उसे वाहन लेकर देवघर जाना था, लेकिन डीजल चोरी हो जाने के कारण अब आगे की यात्रा करना मुश्किल हो गया है. वहीं, दूसरी गाड़ी को भी चोरों ने निशाना बनाया, जिससे यह घटना और गंभीर हो गई. स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह पहली घटना नहीं है. गुढ़ नेशनल हाईवे 39 में स्थित आरडी पेट्रोल पंप और गौतम ढाबा के आसपास आए दिन डीजल चोरी की शिकायतें सामने आती रहती हैं. जिससे वाहन चालको में दहशत है.

रोजगार मेला 29 को हनुमना में

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 23 मई, कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में युवा संगम कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत हनुमना में 29 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा.

रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे. उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा. मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है.

वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है. वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा. युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा. उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में ब्राहमा देवी इंजीनियरिंग प्रा. लि. इंदौर, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार इंदौर, जेके टायर्स मुरैना, फ्लिप कार्ट रीवा, जैबिल सर्किट इंडिया लि. रंजनगांव पूणे, सीआईआई एमसीसी इंदौर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस रीवा, श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग लि. पथरेडी राजस्थान, प्रभा बायो प्लांट्स प्रा. लि. रीवा तथा प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे.

शाम को सड़क से हटा लेते हैं दुकान और सुबह फिर लगा लेते हैं

नवभारत न्यूज

गुढ़, 23 मई, गुढ़ नगर परिषद के चौराहा और बाजार की लगी गलियों में अतिक्रमणकारियों ने अब घड़ी की सुई देखते हैं और सुई का कांटा बढ़ते हैं अतिक्रमण हटा लेते हैं.

पुराने लोग कहावत कह गए हैं तुम डाल-डाल और हम पात-पात ऐसे ही कहावत नगर परिषद गुढ़ और व्यापारियों के बीच चरितार्थ हो रही है. जैसा कि आपको बता दिया जाए आगामी दो दिनों से नगर परिषद बाजार से लेकर चौराहा तक सड़क और नालियों में किए गए आक्रमणकारियों पर चालानी कार्यवाही कर रही है. लेकिन उसके बावजूद भी अब व्यापारी अपनी है हट धार्मिता पर आ चुके हैं और नगर परिषद को सीधे अंगूठा दिख रहे हैं.

यहां एक तरफ शाम 5:00 बजे के बाद व्यापारी सड़क और नाली से लगी दुकानों को हटा लेते है और वही सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक फिर से वही पर दुकानें सज जाती है. तो क्या नगर परिषद गुढ़ के सीएमओ अपने आदेश पर खड़ा उतर पाएंगे या फिर व्यापारियों की हट धार्मिता के आगे उनके आदेश अब हवा हवाई रह जायेगे.

गुढ़ नगर में धमाचौकड़ी मचाते आवारा गौवंश

गुढ़ बस स्टैण्ड में गौवंश का जमावड़ा, व्यापारियों की बढ़ी चिंता

नवभारत न्यूज

गुढ़, 23 मई, गुढ़ नगर के मुख्य बस स्टैंड क्षेत्र में इन दिनों बड़ी संख्या में गौवंश के जमावड़े से स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों की परेशानी बढ़ती जा रही है.

बरसात का मौसम नजदीक आते ही लोगों में चिंता बढ़ गई है कि यदि समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है.स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि सरकार द्वारा नगर परिषदों एवं गौशालाओं के माध्यम से आवारा गौवंश को सड़क और सार्वजनिक स्थलों से हटाकर गौशाला तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था एवं फंडिंग की जाती है, लेकिन गुढ़ क्षेत्र में यह व्यवस्था केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित दिखाई दे रही है. व्यापारियों का आरोप है कि बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर गौवंश खुलेआम घूम रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका के साथ-साथ यातायात और व्यापार पर भी असर पड़ रहा है.व्यापारियों ने बताया कि बरसात शुरू होने के बाद बस स्टैंड क्षेत्र में कीचड़ और अव्यवस्था के बीच गौवंश की संख्या बढ़ने से आम लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. उन्होंने नगर परिषद से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान कर गौवंश को गौशाला पहुंचाने की मांग की है. व्यापारिक वर्ग ने चेतावनी दी है कि यदि बरसात से पहले समस्या का समाधान नहीं किया गया तो गुढ़ बस स्टैंड के व्यापारी नगर परिषद कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी. पूर्व में भी कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई कार्यवाही नही हो सकी.

खटखरी से घोघम सड़क का हाल बेहाल

नवभारत न्यूज

हनुमना, 23 मई, मऊगंज जिले की एक ऐसी महत्वपूर्ण सड़क खटखरी से घोघम, जिसका निर्माण विगत कई वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत निर्माण कराया गया.

परंतु उसी सड़क की लगभग डेढ़ किलोमीटर एरिया जो भूमि विवाद के कारण चतुर्भुज भगवान के मंदिर से खटखरी नदी तक का निर्माण कार्य छोड़ दिया गया था, वह आज भी अपने दुर्भाग्य पर आंसू बहा रहा है. यह सड़क पूर्ण रूपेण बड़े-बड़े गड्ढों एवं खाइयो में तब्दील है, और किसी भी दिन कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है. इस महत्वपूर्ण सड़क से प्रतिदिन हजारों छोटे बड़े वाहन, एवं सैकड़ो ऑटो सवारियों को लेकर प्रतिदिन आते जाते हैं. इन वाहनों की स्थिति देखकर डर लगता है. परंतु इस और आज तक मऊगंज जिले के शासन प्रशासन के साथ, जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं जा रहा है, कि उक्त सड़क की जमीन वाली समस्या हल कराकर सड़क का निर्माण कराए. जिस वजह से दिनों दिन और स्थिति खराब हो रही है, बरसात में यह स्थिति और बद से बदतर हो जाती है, स्थानीय लोगों ने पुन: जिले के कलेक्टर एवं विधायक प्रदीप पटेल का ध्यान प्रेस के माध्यम से आकृष्ट कराते हुए, सड़क निर्माण करवाने की मांग की गई है ताकि आवागमन सुचारू रूप से हो सके. बरसात आने वाली है अगर समय पर निर्माण नही हुआ तो राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ेगी.

कलेक्टर की सक्रियता से लोगों में जागी आशा, पर कैसे हो पाएगा समाधान

नवभारत न्यूज

चाकघाट, 23 मई, रीवा में कलेक्टर सूर्यवंशी जी के आने पर जनता इतनी उत्साहित और आशान्वित है कि उनको लगने लगा है कि हर समस्याओं का समाधान अब होने वाला है.

वास्तविकता के धरातल में जिला कलेक्टर महोदय की भावना अच्छी है लेकिन रीवा जिले के विशेष तौर पर तरायी अंचल में अधिकारियों का अभाव लोगों को परेशान कर रखा है. जिस प्रकार जिला में कलेक्टर के बिना जिला प्रशासन की संचालित अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है उसी तरह तहसील में स्थायी एसडीएम का अभाव अनुभाग स्तरीय व्यवस्था को साकार रूप नहीं दे पाता. त्योंथर तहसील में स्थाई एसडीएम नहीं है, तहसीलदार नहीं है. पांच राजस्व मंडल में एकमात्र एक नायब तहसीलदार है. नगर परिषद में सीएमओ नहीं है अस्पताल में डॉक्टर नहीं है. पुलिस थानों में स्वीकृत पद के अनुरूप बल नहीं है. इस अंचल में एक भी महिला निरीक्षक और उप निरीक्षक नहीं है. ऐसी स्थिति में आम अवाम की पीड़ा का समाधान समय पर कौन करें. क्षेत्र के विधायक जी जनता की परेशानी सुन रहे हैं. जनसुनवाई नियमित रूप से कर रहे हैं लेकिन समाधान करने वाला कोई अधिकारी ही नहीं है. क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर यदि समस्या का समाधान होता तो 100 किलोमीटर की यात्रा करके पीड़ित व्यक्ति जिला कलेक्टर के पास अपनी फरियाद लेकर नही जाता. कलेक्टर की संवेदना एवं जनता के लिए सेवा भावना समस्या समाधान के लिए प्रयासरत हैं किंतु अकेले कलेक्टर वास्तविकता के धरातल पर किन-किन की समस्याओं का समाधान कर पाएंगे? नीचले स्तर पर समाधान हेतु प्रशासनिक धरातल ही गायब है. रीवा का प्रभार लेने के पश्चात जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को मुख्यालय में रहने की बात कही. आम लोगों को अच्छा लगा, लेकिन जब अधिकारी है ही नहीं तो उनका मुख्यालय अपने आप में एक समस्या है. जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था पटरी से उतर रही है. पीड़ित लोग परेशान हैं जिला कलेक्टर जो शासन का एक प्रशासनिक प्रतिनिधि है. उससे आम आवाम की गुहार है अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए.

खजुहा कला पंचायत में भ्रष्टाचार की जांच महज औपचारिकता तक सीमित

नवभारत न्यूज

गुढ़, 23 मई, रीवा जिले के जनपद पंचायत रीवा अंतर्गत ग्राम पंचायत खजुहा कला में विकास कार्यों के नाम पर हुए कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं की जांच अब विवादों के घेरे में आ गई है.

पंचायत के पूर्व सरपंच,सचिव और उन्हें संरक्षण देने वाले उनके रसूखदार आकाओं द्वारा कराए गए विभिन्न निर्माण व विकास कार्यों में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त हुई थीं. इन गंभीर शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के कड़े निर्देशों एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में जिला पंचायत कार्यालय द्वारा एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था. गठित टीम में शामिल ग्रामीण यांत्रिकी विकास सेवा संभाग क्रमांक-1 के कार्यपालन यंत्री बीडी कोरी और सहायक यंत्री आशुतोष सिंह गहरवार शिकायत के विभिन्न बिंदुओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए मौके पर पहुंचे थे. इस दौरान शिकायतकर्ता भी अपने दावों और सबूतों के साथ स्थल निरीक्षण में उपस्थित रहे. लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों और शिकायतकर्ता के अनुसार अधिकारियों का यह बहुप्रचारित स्थल निरीक्षण केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता और दिखावा साबित हुआ. नियमत: जब भी किसी शिकायत के निवारण हेतु कोई प्रशासनिक टीम भौतिक सत्यापन या स्थल निरीक्षण करने पहुंचती है तो प्रत्येक कार्य की वस्तुस्थिति देखने के बाद मौके पर ही सभी पक्षों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार किया जाता है.

पंचनामा वह महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज होता है जो जांच की दिशा और सच्चाई को प्रमाणित करता है. लेकिन हैरान करने वाली बात यह रही कि जांच दल के अधिकारियों ने न तो किसी स्थल का विधिवत पंचनामा तैयार किया और न ही साक्ष्यों को लिखित रूप में दर्ज किया. अधिकारी सिर्फ घटनास्थल का दौरा कर और हवा-हवाई बातें करके वापस लौट गए.

ग्राम पंचायत खजुहा कला के शिकायतकर्ताओं का स्पष्ट आरोप है कि पूर्व सरपंच सचिव और उनके पीछे सक्रिय प्रभावशाली राजनीतिक चेहरों के दबाव में आकर जांच दल ने पूरी कार्रवाई को शिथिल कर दिया।चर्चा है कि रसूखदार आकाओं' के राजनीतिक रसूख और रसूखदार संबंधों के कारण जांच अधिकारियों ने सिर्फ कागजी खानापूर्ति करने के लिए यह दौरा किया था.

निष्पक्ष जांच की मांग- शिकायतकर्ता ने इस दिखावटी और औपचारिक जांच पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर से पुन: गुहार लगाई है. यदि उच्चाधिकारी स्वयं इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तो सही जांच नही हो पाएगी.

किसानों को नहीं मिल रहा उनका जायज हक, किसान परेशान

नवभारत न्यूज

गुढ़, 23 मई, रीवा से लेकर सीधी तक राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के टू-लेन से फोर-लेन चौड़ीकरण कार्य में अधिग्रहीत की जा रही जमीनों के मुआवजे को लेकर प्रशासन और किसानों के बीच गतिरोध गहरा गया है.

मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद गुढ़ तहसील के किसानों को उनका जायज हक नहीं मिल पा रहा है जिससे प्रभावित किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है. ताजा मामला यह है कि मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा 27 अप्रैल 2026 को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया गया है. इस शासकीय आदेश के अनुसार,यदि आदेश जारी होने की तिथि तक संबंधित भू-अर्जन का अंतिम अवॉर्ड पारित नहीं किया गया है, तो प्रभावित किसानों को 2.00 फैक्टर के अनुसार मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है. इसका सीधा अर्थ यह है कि किसानों को उनकी अधिग्रहीत जमीन के कुल बाजार मूल्य का 4 गुना मुआवजा मिलना चाहिए. गुढ़ तहसील के अंतर्गत कुल 20 गांवों की जमीन इस फोर-लेन परियोजना के लिए अधिग्रहीत की जा रही है. किसानों का आरोप है कि भू-अर्जन कार्यालय और राजस्व अमला मिलकर शासन के इस कल्याणकारी आदेश को दबाने का प्रयास कर रहा है. किसानों द्वारा साझा की गई मुख्य समस्याएं जब पीड़ित किसान अपने अवॉर्ड की प्रति या मुआवजे के संबंध में जानकारी लेने भू-अर्जन एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय गुढ़ जाते हैं तो वहां पदस्थ अर्जन बाबू और अधिकारियों द्वारा सीधा जवाब नहीं दिया जाता. उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि अभी अवॉर्ड स्वीकृत नहीं हुआ है इसलिए कोई जानकारी नहीं दी जा सकती. अगर मैदानी स्तर पर जब किसान हल्का पटवारियों से संपर्क करते हैं तो वे भी अवॉर्ड के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी होने से साफ इनकार कर देते हैं. किसानों का कहना है कि प्रशासन मुआवजे की वास्तविक स्थिति को जानबूझकर छुपा रहा है. प्रभावित किसानों ने एकजुट होकर प्रशासन के सामने अपनी स्पष्ट मांगें रखी हैं यदि पूर्व में मुआवजा स्वीकृत हो चुका है अवॉर्ड की सत्यापित प्रति उपलब्ध कराए.

अमृत महा हरित अभियान पर संभागीय कार्यशाला आयोजित

वर्ष-2026 में पौधरोपण और रखरखाव पर विशेष जोर

नवभारत न्यूज

रीवा 23 मई। नगर निगम रीवा द्वारा अमृत महा हरित अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पौधों के रखरखाव को लेकर शनिवार को एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2026 में प्रभावी वृक्षारोपण की योजना बनाना तथा लगाए गए पे?ों की उचित देखभाल सुनिश्चित करना था।

कार्यशाला में नगर निगम उपायुक्त श्री प्रकाश द्विवेदी, कार्यपालन अभियंता श्री हरीशंकर मिश्रा, सिटी मैनेजर श्री अभिमन्यु सिंह, वन विभाग के सेवानिवृत्त एसडीओ श्री एमपी मिश्रा सहित सभी यूएलबी के सीएमओ, सब इंजीनियर एवं पीडीएमसी के अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही एसएसजी की महिलाएं भी ब?ी संख्या में शामिल हुईं। प्रशिक्षकों ने बताया कि पे? कैसे लगाए जाएं, रोपण के बाद सिंचाई, सुरक्षा एवं नियमित रखरखाव कैसे किया जाए तथा दीर्घकालिक निगरानी के लिए क्या कदम उठाए जाएं। अमृत मित्र योजना से जु?ी महिलाओं ने भी वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण में अपनी भूमिका पर चर्चा की।

उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त सुझावों को वर्ष 2026 के वृक्षारोपण अभियान में

गाय की सेवा से 33 करोड़ देवी देवताओं की सेवा हो जाती है

नवभारत न्यूज

रीवा 23 मई. जनता कालेज के पास मुख्य यजमान शकुंतला तिवारी ,अरुणा विजय तिवारी ,रश्मि अरुण कुमार तिवारी द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सभी भक्तों को श्री मज्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज ने पंचम दिवस की कथा श्रवण कराई गई,

जिसमे श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। महाराज श्री ने कहा धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती स्वामी घनश्यामाचार्य जी ने बताया की

पृथ्वी ने गाय का रूप धारण करके श्रीकृष्ण को पुकारा तब श्रीकृष्ण पृथ्वी पर आये हैं।इसलिए वह मिट्टी में नहाते, खेलते और खाते हैं ताकि पृथ्वी का उद्धार कर सकें। गोपबालकों ने जाकर यशोदामाता से शिकायत कर दीङ्क'मां तेरे लाला ने माटी खाई है यशोदामाता हाथ में छड़ी लेकर दौड़ी आयीं।'अच्छा खोल मुख।' माता के ऐसा कहने पर श्रीकृष्ण ने अपना मुख खोल दिया। श्रीकृष्ण के मुख खोलते ही यशोदाजी ने देखा कि मुख में चर-अचर सम्पूर्ण जगत विद्यमान है। आकाश, दिशाएं, पहाड़, द्वीप, समुद्रों के सहित सारी पृथ्वी, बहने वाली वायु, वैद्युत, अग्नि चन्द्रमा और तारों के साथ सम्पूर्णज्योतिर्मण्डल जल तेज अर्थात प्रकृति महतत्त्व अहंकार देवगण इन्द्रियां मन बुद्धि त्रिगुण जीव, काल कर्म प्रारब्ध आदि तत्त्व भी मूर्त दीखने लगे। पूरा त्रिभुवन है उसमें जम्बूद्वीप है उसमें भारतवर्ष है, और उसमें ब्रज में नन्दबाबा का घर, घर में भी यशोदा और वह भी श्री कृष्ण का हाथ पकड़े। बड़ा विस्मय हुआ माता को। श्री कृष्ण ने देखा कि मैया ने तो मेरा असली तत्त्व ही पहचान लिया है। इस लिए भगवान ने माता को विस्मृत कर दिया आयोजित कथा को सुन कर भक्त भावविभोर रहे।